

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4280 का उत्तर

विरुद्धुनगर में आरओबी/आरयूबी

4280. श्री बी. मणिककम टैगोर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विरुद्धुनगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आरओबी या आरयूबी के निर्माण की लंबे समय से लंबित मांग की स्थिति क्या है तथा स्थानीय लोगों को इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के मुद्दे का समाधान कब तक मिलने की संभावना है;
- (ख) आरओबी, आरयूबी के निर्माण और मौजूदा रेलपथों के उन्नयन सहित उक्त जिले में रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं के लिए आवश्यक निधि के आवंटन का ब्यौरा क्या है तथा समय पर पूरा होना सुनिश्चित करने के लिए निधि कब तक वितरित किए जाने की संभावना है;
- (ग) क्या सरकार के पास विरुद्धुनगर में महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों के लिए और अधिक ठहराव जोड़ने पर पुनर्विचार करने तथा क्षेत्र में यात्रियों की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान रेलगाड़ियों के समय की समीक्षा करने और उसे समायोजित करने की कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या सरकार ने तिरुपरनकुन्द्रम रेलवे स्टेशन के बढ़ते महत्व को देखते हुए स्टेशन को पूर्ण जंक्शन में अपग्रेड करने की योजना के बारे में अद्यतन जानकारी दी है, यदि हां, तो यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ):

अवसंरचना परियोजनाएं

(i) ऊपरी/निचले सड़क पुल: भारतीय रेल में समपारों के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृति देना और निष्पादित करना निरंतर एवं सतत् प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर इसके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल में वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-25 (फरवरी, 2025) के दौरान निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-25 (फरवरी, 2025)	12,977 अदद

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में तमिलनाडु राज्य में 5108 करोड़ रुपये की लागत से 240 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों सहित 92,692 करोड़ रुपये की लागत से 4200 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना निर्माण और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 88 निर्माण कार्य भूमि अधिग्रहण, संरेखण को अंतिम रूप देने और बंद करने की सहमति आदि के कारण विलंबित हुए हैं। भारतीय रेल पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण के लिए वर्ष 2024-25 (फरवरी 2025) के दौरान 6,074 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

वर्तमान में, विरुद्धनगर जिले में 233 करोड़ रुपये की लागत से 16 ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत हैं, जो योजना निर्माण और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

(ii) नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण परियोजनाएँ:- रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/जिला-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, दिनांक

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 33,467 करोड़ रुपये की लागत की कुल 2,587 कि.मी. लंबी 22 रेल परियोजनाएं (10 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 09 दोहरीकरण) योजना निर्माण और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 665 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 7,153 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	10	872	24	1,223
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,267
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	9	967	37	2,664
कुल	22	2,587	665	7,153

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	6,362 करोड़ रुपए (7 गुना से अधिक)

विरुदुनगर भारतीय रेल नेटवर्क पर एक मौजूदा रेलवे स्टेशन है। विरुदुनगर की संपर्कता को और बेहतर बनाने के लिए, मणियाची के रास्ते मदुरै-तूतुकुडि (तूतीकोरिन) दोहरीकरण परियोजना जुलाई 2023 में पूरी हो गई है।

(iii) अमृत भारत स्टेशन:- अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए, रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुर लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्मों की सतह तथा प्लेटफॉर्मों पर आच्छादन, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एकजीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ आदि की व्यवस्था करना एवं दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। कार्यों को स्वीकृति प्रदान करने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों के विकास/उन्नयन को प्राथमिकता दी जाती है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से विरुद्नगर स्टेशन सहित 77 रेलवे स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों की सूची नीचे दी गई है:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबतूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियलूर, आवडि, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नई बीच, चेन्नई एग्मोर, चेन्नई पार्क, चिंबरम, चिन्ना सेलम, कुरोम्पेट्टै, कोयम्बूर जंक्शन, कोयम्बूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डॉ. एम.जी. रामचन्द्रन सेन्ट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुड़िडी, गुम्मिडीपूँडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी, कराइकुडी, करूर जंक्शन, काटापाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नमक्कल, पलानी, परमकुडी, पेराम्बुर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविलिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन, तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादिरिपुलियूर, तिरुपत्तूर, तिरुपुर, तिरुशूलम, तिरुतानी, तिरुवल्लुर जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, उदगमंडलम, वेल्लोर केंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुदुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन, दिंडुक्कल, तूतीकोरिन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेजी से शुरू किए गए हैं। उदाहरण के लिए,

- मदुरै स्टेशन पर पूर्व की ओर बहु-स्तरीय दुपहिया वाहन पार्किंग और इलेक्ट्रिक सबस्टेशन का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है तथा पूर्व की ओर टर्मिनल भवन, दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, एयर कॉनकोर्स, पार्सल पैदल पार पुल, सबवे आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर पार्सल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है तथा दोनों ओर बहु-स्तरीय कार पार्किंग, जीआई रोड की ओर टर्मिनल भवन आदि का कार्य शुरू हो गया है।
- तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम स्टेशन पर, उत्तर की ओर टर्मिनल भवन, विद्युत सब-स्टेशन और पार्सल कार्यालय के निर्माण का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और पूर्व की ओर टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य, आगमन प्रांगण, प्लेटफार्म सुधार आदि शुरू किया गया है।
- विरुद्हुनगर स्टेशन पर नए प्रवेश द्वार, परिसर की दीवार का निर्माण कार्य, सेवा भवन का स्थानांतरण, प्लेटफार्म की सतह में सुधार, आच्छादित पार्किंग और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का प्रावधान आदि संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं तथा नए पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग आदि संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।
- सामलपट्टी स्टेशन पर, नए मुख्य टर्मिनल भवन और मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा दुपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफार्म को ऊंचा करने, परिसर की दीवार के निर्माण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- कारैकुडि स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार का कार्य, बैठने की व्यवस्था, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, नए पोर्च का निर्माण, प्रवेश और निकास द्वार, लिफ्टों और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड संस्थापित करने का कार्य का पूरा कर लिया है। प्रतीक्षालय, आच्छादित मार्ग आदि का निर्माण-कार्य शुरू कर दिया गया है।

- अरियलूर और मन्नारगुडी स्टेशनों पर नए प्रवेश द्वार, प्रवेश द्वार पोर्च के निर्माण, पहुंच मार्ग के साथ परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, कॉनकोर्स क्षेत्र, बुकिंग काउंटरों, प्लेटफार्म सतह, प्रतीक्षालयों और प्लेटफार्म शेल्टरों का कार्य पूरा कर लिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का विकास/उन्नयन आमतौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। तमिलनाडु राज्य दो ज़ोनों यथा दक्षिण रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आता है। इन ज़ोनों के लिए योजना शीर्ष-53 के तहत वित वर्ष 2024-25 के लिए 1,909 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

(iv) रेलपथ उन्नयन:- भारतीय रेल में रेलपथ अवसरंचना का उन्नयन और सुधार एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। भारतीय रेल द्वारा रेलपथ को उन्नत करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं :

- i. प्राथमिक रेलपथ नवीकरण के दौरान 60 किग्रा, 90 अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, पूर्व-बलित कंक्रीट स्लीपर (पीएससी), लोचदार फास्टनिंग वाले सामान्य/चौड़े आधार वाले स्लीपर, पीएससी स्लीपरों पर फैन शेप्ड के लेआउट टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपरों से युक्त आधुनिक रेलपथ संरचना का उपयोग किया गया है।
- ii. टर्नआउट नवीनीकरण कार्यों में थिक वेब स्विच और वेल्डेबल सीएमएस क्रासिंग का उपयोग किया गया है।
- iii. जोड़ों की वेल्डिंग से बचने के लिए 130 मीटर/260 मीटर लंबे रेल पैनलों की आपूर्ति बढ़ा दी गई है, जिससे संरक्षा में सुधार हुआ है।

- iv. पटरियों के लिए बेहतर वेलिंग प्रौद्योगिकी अर्थात फ्लैश बट वेलिंग अपनाना।
- v. रेलपथ के अनुरक्षण के लिए मशीनीकृत प्रणाली अपनाना, जिसमें उच्च आउटपुट प्लेन टैम्पर्स और पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग टैम्पर्स का उपयोग किया जाता है, ताकि रेलपथ का बेहतर अनुरक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।
- vi. परिसंपत्ति की विश्वसनीयता में और सुधार लाने के लिए रेल नेटवर्क पर भारत में निर्मित रेल ग्राइंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक आधुनिक मशीनों की तैनाती।
- vii. पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि रेलपथ मशीनों का उपयोग करते हुए रेलपथ बिछाने संबंधी कार्यों का मशीनीकरण।
- viii. समपार फाटकों पर संरक्षा बढ़ाने के लिए समपार फाटकों को इंटरलॉक करना।
- ix. खामियों का पता लगाने और दोषपूर्ण पटरियों को समय पर हटाने के लिए अल्ट्रासोनिक दोष जांच (यूएसएफडी) परीक्षण।
- x. ओएमएस (ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम) और टीआरसी (ट्रैक रिकॉर्डिंग कार) द्वारा रेलपथ ज्यामिति की निगरानी।

ऊपरी सङ्केत पुल/निचले सङ्केत पुल संबंधी निर्माण-कार्यों का पूरा होना और कमीशन करना समपार को बंद करने में राज्य सरकार की सहमति, पहुँच संरेखण को अंतिम रूप देने, सामान्य आरेखण व्यवस्था की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना/कार्य स्थलों के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/निर्माण-कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

वर्तमान में, विरुद्धनगर स्टेशन को 20665/20666 चेन्नै एमोर-तिरुनेलवेली वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 4 पैसेंजर सेवाओं और 80 मेल/एक्सप्रेस सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है। ये सेवाएं, जो पूरे दिन उपलब्ध रहती हैं, दैनिक यात्रियों की आवश्यकताओं को भी पूरा करती हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में ठहराव का प्रावधान/रेलगाड़ी सेवाओं के समय में बदलाव करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन एक सतत प्रक्रिया है।
